सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 110 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 24 मई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

यदि कोई सही तरीके से बोलना जानता है तो उसे पता है कि वाणी एक अमूल्य रत्न है। इसलिए वह हृदय के तराजू में तोलकर ही उसे मुंह से बाहर आने देता है।

-कबीर दास

इंग्लैंड दौरा: विराट-रोहित के बिना राह... 7 | उम्र को मात देकर जीत लिया... 3 | सिर्फ कागजी घोषणाएं न करे... 2

योगी के अफसरों ने कूड़े में भी कर दिया करोड़ों का गोलमाल!

स्वच्छता अभियान में घोटाला ही घोटाला

प्रमुख सचिव से लेकर नीचे तक बंट रहा सरकारी धन

» सीएम योगी को लिखे खत में खुली भ्रष्टाचार की पोल
» ठोस कचरा निस्तारण के नाम पर भ्रष्टाचार
» इकोस्टेन समेत कई कंपनियां कर रही धोखधड़ी
» नदियों व पर्यावरण को भी पहुंचा रहे नुकसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कहावत है घूरे के भी दिन बहुरते हैं। पर यूपी में ये कहावत कुछ अलग है। यहां घूरे के दिन तो न बहुरे पर कूड़े से नगर विकास से जुड़े अधिकारियों व कर्मचारियों के दिन दूनी व रात चौगुने रंगीन जरूर हो गए। दरअसल देश में स्वच्छता अभियान के तहत बड़े पैमाने पर केंद्र व राज्य सरकारों ने कई योजनाएं शुरू की। मोदी सरकार आने के बाद इन योजनाओं के लिए अच्छा-खासा बजट दिया गया, पर ये योजनाएं सन 2014 में सही दिशा में चलीं। पर उसके बाद इसमें कई तरह की अनियमितताओं की खबरें आम होने लगीं।

इकोस्टेन का एक कारनामा मप्र के पीथमपुर में पकड़ा गया बाद में उसका टेंडर निरस्त कर दिया गया था। पर कंपनी को ब्लैकलिस्ट नहीं किया गया था। बाद अधिकारियों के कहने के बाद उसे दोबारा टेंडर दिया गया। कई अन्य राज्यों में इसको ब्लैकलिस्ट भी किया गया। यूपी में भी इसके काले कारनामों से संबंधित पत्र मुख्यमंत्री तक लिखा गया। पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। खासतौर से भाजपा शासित राज्यों से ऐसी खबरें ज्यादा आईं। जहां कूड़ा छोड़कर ठेकेदार भाग गए, ठेके ऐसी कंपनियों को दे दिए गए जो इन कामों में नौसीखिए थे। कहीं-कहीं तो ये तक हुआ कि भुगतान हो गया और कूड़े का निस्तारण तक नहीं हुआ। सबसे बड़ी बात कूड़े के इस भ्रष्टाचारी खेल में नगर निगमों के छोटे कर्मचारी से लेकर प्रदेश के प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारी तक शामिल रहे। कूड़े के इस बंदबाट में यूपी के आला अधिकारी तो पूरे देश में अन्य राज्यों के अधिकारियों के कान तक काट गए। भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस का राग अलापने वाली योगी सरकार में तो कूड़ा सोने की खान ही बन गया है। अधिकारियों ने न केवल कूड़े से काली कमाई करी बल्कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले इस जानलेवा कूड़े को ऐसी-ऐसी जगहों पर निस्पादित करवा दिया जो हरित ट्रिब्यूनल के नियमों का खुला उल्लंघन था।

ब्लैकलिस्ट कंपनी को दे दिया काम

सबसे से अहम बात कि कंपनी को जितना कूड़ा निस्तारण का काम मिला था वो भी पूरा नहीं कर सकी है और दोबारा उसी कंपनी को बिना टेंडर प्रक्रिया के ही काम सौंप दिया गया। ये काम करीब 45 करोड़ का है। बताया जा रहा है कि इकोस्टेन कंपनी और अधिकारियों की मिली भगत से गलत तरीके से सर्वे कराया गया और फिर उसी धोखाधड़ी करने ने वाली ब्लैक लिस्टेड कंपनी को काम सौंप दिया गया। इस कंपनी ने केवल कानपुर में ही नहीं इससे पहले प्रयागराज समेत अन्य जगहों पर भी धोखाधड़ी की है। इसने महाकुंभ मेले के दौरान भी बहुत धांधली की थी। इसकी शिकायत मुख्यमंत्री कार्यालय तक की गई।

अंजनी राय व अभिषेक मिश्रा पर प्रमुख सचिव अमृत अभिजात का हाथ

भ्रष्टाचार के इस खेल में प्रमुख सचिव अमृत अभिजात के साथ उनके के करीबी अंजनी राय और इकोस्टेन कंपनी के मालिक अभिषेक मिश्रा समेत अन्य लोग शामिल हैं। अंजनी राय प्रमुख सचिव अमृत अभिजात का बहुत खास है। कूड़ा निस्ताण वाली कंपनियों से वसूली और उनको टेंडर दिलाने में इसकी अहम भूमिका होती है। यही नहीं वह भुगतान दिलाने में भी अहम भूमिका निभाता है। वहीं अंजनी राय ने इकोस्टेन के मालिक अभिषेक मिश्रा के साथ मिलकर खूब धोखाधड़ी की और सरकार को करोड़ो के राजस्व का चूना भी लगाया।

कूड़े को नदियों व गड्ढों में बहाया

मामला कानपुर के सॉलिड वेस्ट प्लांट भवसिंह में पड़े कूड़ा निस्तारण का है। इसके लिए 17 सितंबर 2021 को एक निविदा आमंत्रित की गई थी। इस निविदा में बड़ा खेल किया गया और इसको इकोस्टेन इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड को सौंप दी गई। काम मिलने के बाद कंपनी की तरफ से से जमकर खेल किया गया। कंपनी ने कूड़ा निस्तारण के बजाए कूड़े को गड्ढों और नदियों में में बहा दिया और करोड़ों का भुगतान भी करा लिया गया। कंपनी के काले कारनामों को अधिकारियों का खुला समर्थन है।

सिर्फ कागजी घोषणाएं न करे भाजपा सरकार : अखिलेश

सपा प्रमुख बोले- आंधी और तूफान से पीड़ित परिवारों की सच में मदद हो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर फिर हमला बोला है। सपा मुखिया ने कहा कि सरकार सिर्फ कागजी घोषणाएं न करें। आंधी और तूफान से पीड़ित परिवारों की सच में मदद करें। प्रदेश में आंधी, बारिश, तूफान से 50 से ज्यादा लोगों की असामयिक मौतों को बेहद दुखद बताते हुए गहरा शोक जताया है।

अखिलेश यादव ने मृतक परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि सरकार पीड़ित परिवारों को तत्काल मुआवजा दे और अन्य तरीके से मदद करे। श्री यादव ने कहा कि पिछले तीन दिनों में प्रदेश के दर्जनों जिलों में आंधी तूफान और बारिश से लाखों की संख्या में लोग प्रभावित हुए। दर्जनों घर गिरे, लोगों के घर-बार उजड़ गये। मुख्यमंत्री के गृह जिले गोरखपुर समेत कई स्थानों पर जल भराव की स्थिति हो गयी। बड़ी संख्या में लोग घायल हुए। कई दर्जन लोगों की मौत हो गयी। तेज आंधी तूफान से लखनऊ समेत आसपास के 10-12 जिलों में 17 लोगों की मौत हुई है। कानपुर और पास के जिलों में करीब 22 लोगों की मौत हुई है। फतेहपुर जिले में 6 लोगों की मौत हुई है। इसी तरह से पश्चिमी यूपी मेरठ में दो बागपत में दो हाथरस, अलीगढ़ में एक-एक और अन्य जिलों में भी मौतें हुई हैं।

भाजपा सरकार हमेशा भेदभाव करती है : सपा प्रमुख

अखिलेश यादव ने प्रदेश सरकार से मांग की है कि पूरी संवेदनशीलता के साथ पीड़ितों के साथ न्याय किया जाए। भाजपा सरकार झूठी घोषणाएं करने में माहिर है। इस सरकार ने जनता से किए गए पिछले वादों को पूरा नहीं किया है। विभिन्न आपदाओं के दौरान इस सरकार ने घोषणाएं तो की लेकिन किसानों और पीड़ितों की जमीन पर मदद नहीं हुई। लोकतंत्र में जनहित और लोक कल्याण के लिए कार्य करना सरकार की जिम्मेदारी होती है लेकिन भाजपा सरकार हमेशा भेदभाव करती है। किसानों, गरीबों, पीड़तों की उपेक्षा करती है।

भाजपा और कांग्रेस छोड़कर कई प्रमुख नेता सपा में शामिल

समाजवादी पार्टी की नीतियों और श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व के प्रति आस्था जताते हुए आज भाजपा और कांग्रेस छोड़कर कई प्रमुख नेता समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने भाजपा छोड़कर आए विपिन कुमार रावत और उनके साथियों को समाजवादी पार्टी में शामिल करते हुए उम्मीद जताई है कि उनके आने से समाजवादी पार्टी को मजबूती मिलेगी और 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने में एकजुट प्रयास करेंगे।

समाजवादी पार्टी की कार्यशैली से प्रभावित : विपिन कुमार रावत

भाजपा छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हुए विपिन कुमार रावत ने कहा कि वे समाजवादी पार्टी की कार्यशैली, नीति एवं बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के विचारों को समाजवादी पार्टी जिस तरह से आगे बढ़ा रही है उससे प्रभावित होकर समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए हैं। रावत के साथ भाजपा के बूथ अध्यक्ष राम सिंह रावत, सुशील कुमार, मनोज वर्मा एवं नर्मदा वर्मा तथा जिला सचिव कांग्रेस अनुसूचित वर्ग शिव कैलाश रावत अपने दर्जनों साथियों के साथ समाजवादी पार्टी के सदस्य बन गए है।

पुलिस पुणे हगवणे खुदकुशी मामले में ठोस तरीके से जांच करे : पवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि उन्होंने पुलिस से 26 वर्षीय वैष्णवी हगवणे की कथित रूप से दहेज उत्पीड़न के कारण आत्महत्या के मामले में ठोस तरीके से जांच करने को कहा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता राजेंद्र हगवणे की बहू वैष्णवी हगवणे ने 16 मई को पुणे जिले के पिंपरी-चिंचवड़ के बावधन इलाके में कथित तौर पर फांसी लगा ली थी।

वैष्णवी के माता-पिता ने दावा किया कि उन्होंने शादी के समय उसके पति के परिवार को 51 तोला (595 ग्राम) सोना, चांदी और एक एसयूवी दी थी, लेकिन हगवणे परिवार ने जमीन खरीदने के लिए दो करोड़ रुपये की मांग करते हुए उसे परेशान करना जारी रखा। पिंपरी चिंचवाड़ द्वितीय जोन के पुलिस उपायुक्त विशाल गायकवाड़ ने बताया कि राजेंद्र हगवणे, जिन्हें अब अजित पवार नीत राकांपा से निष्कासित कर दिया गया है, और उनके बेटे सुशील को शहर से भागने की कोशिश करते समय स्वारगेट इलाके से गिरफ्तार किया गया।

पवार ने वैष्णवी के माता-पिता से मुलाकात के बाद शाम को यहां कहा, ''हम यह सुनिश्चित करेंगे कि मामले की सुनवाई तेजी से हो और इसका तार्किक निष्कर्ष निकले। हम मामले में एक विशेष अभियोजक नियुक्त करने की भी योजना बना रहे हैं। कल मैं मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ दिल्ली जाऊंगा और उनसे इस बारे में चर्चा करूंगा कि क्या मामले को त्वरित अदालत में चलाया जाना चाहिए। वैष्णवी की कथित आत्महत्या से पहले, हगवणे की बड़ी बहू ने आरोप लगाया था कि 2024 में उन्हें भी प्रताड़ित किया गया और घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ा, लेकिन पुलिस ने समय पर कोई कार्रवाई नहीं की।

आपराधिक मानहानि मामला : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को नोटिस जारी

» सोमनाथ भारती की पत्नी ने दायर की थी याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री व आम आदमी पार्टी (आप) नेता के पूर्व मंत्री सोमनाथ भारती की पत्नी लिपिका मित्रा की तरफ से दायर आपराधिक मानहानि याचिका के संबंध में राउज एवेन्यू ने 19 मई को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को नोटिस जारी किया है।

अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पारस दलाल ने कहा कि मामले में प्रतिवादी को भी अपना पक्ष रखने का मौका दिया जाना चाहिए, ऐसे में प्रतिवादी निर्मला सीतारमण को नोटिस जारी किया जाता है। मामले में अगली सुनवाई 12 जून को होगी। आपराधिक मानहानि मुकदमे में लिपिका मित्रा ने आरोप लगाया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विभिन्न इलेक्ट्रानिक मीडिया चैनल पर दिए गए साक्षात्कार में उनके पति सोमनाथ भारती के बारे में अपमानजनक, झूठे और दुर्भावनापूर्ण बयान दिए थे। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री के बयान से उनके पति के साथ उन्हें व उनके दो नाबालिग बच्चों को भी अपूरणीय मानसिक पीड़ा हुई है।

उन्होंने निर्मला सीतारमण के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 356(1) और 356(2) के तहत मुकदमा चलाने और अपमानजनक सामग्री के प्रसारण पर रोक लगाने व विभिन्न मीडिया प्लेटफार्म से हटाने का निर्देश देने की मांग की है।

शिकायत के अनुसार, केवल 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा के उम्मीदवार को राजनीतिक लाभ और शिकायतकर्ता के पति को राजनीतिक नुकसान पहुंचाने के लिए शिकायतकर्ता और उसके पति को चोट पहुंचाने के इरादे से आरोपी ने शिकायतकर्ता और उसके पति के वैवाहिक कलह के बारे में बात की, लेकिन उनके पुनर्मिलन और खुशी-खुशी साथ रहने की जानकारी को रोक दिया।

'केंद्र संसद का विशेष सत्र बुलाए'

» सीएम बोलीं- सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों की वापसी के बाद लिया जाए फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र से आग्रह किया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की वैश्विक पहल के तहत विभिन्न देशों का दौरा कर रहे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों के लौटने के बाद संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए।

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि भारत के लोगों को हालिया संघर्ष और उभरते वैश्विक घटनाक्रमों के बारे में जानकारी होना महत्वपूर्ण है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, आतंकवाद के खिलाफ भारत की वैश्विक पहल के तहत विभिन्न देशों का दौरा कर रहे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों को देखकर मुझे खुशी हो रही है। जैसा कि मैंने लगातार कहा है, तृणमूल कांग्रेस राष्ट्रीय हित और हमारी संप्रभुता की रक्षा को लेकर केंद्र द्वारा उठाए गए किसी भी कदम के साथ मजबूती से खड़ी है। ममता ने कहा, मैं केंद्र सरकार से प्रतिनिधिमंडल की सुरक्षित वापसी पर संसद का विशेष सत्र बुलाने का आग्रह करती हूं, क्योंकि मेरा मानना है कि इस महान देश के लोगों को हालिया संघर्ष और इससे उत्पन्न घटनाक्रम के बारे में सबसे पहले जानकारी पाने का अधिकार है।

मप्र में हो रही है किसानों की अनदेखी : उमंग सिंगार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार से तत्काल ग्रीष्म कालीन मूंग की समर्थन मूल्य पर खरीदी की मांग की है। इसको लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को खत भी लिखा है।

नेता प्रतिपक्ष ने पत्र में कहा कि पिछले कुछ वर्षों की भांति मध्य प्रदेश में किसानों ने ग्रीष्मकालीन मूंग खेती में बहुत उत्साह दिखाया है, फसल पककर तैयार हो रही है, लेकिन किसानों से उचित मूल्य पर फसल को खरीदने की प्रारंभिक व्यवस्थाएं शासन द्वारा नहीं की गई है व किसानों की अनदेखी हो रही है।। उमंग सिंघार ने कहा कि कृषि विभाग द्वारा लगभग 14.20 लाख हेक्टेयर में मूंग की बुबाई एवं इस वर्ष मूंग का उत्पादन 21 लाख मीट्रिक टन अनुमानित है। वहीं मध्य प्रदेश सरकार ने पिछले वर्ष नाफेड के माध्यम से समर्थन मूल्य पर किसानों से मूंग की खरीदी आंशिक रूप से की गई थी।

बादल सरकार के समय पंजाब नशे में डूबा : राजा वड़िंग

» प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बोले- अभी तक खत्म नहीं हुआ नशे का खेल

» भाजपा, आप और शिअद पर भड़के

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अबोहर (पंजाब)। पंजाब में नशा बड़ा मुद्दा है। नशे के मुद्दे पर बीते कई वर्षों से विपक्षी दल सत्तासीन पार्टियों और मुख्यमंत्री को घेरते आए हैं। इस बार आप सरकार ने तो दावा किया था कि पंजाब को पूरी तरह से नशा मुक्त कर देंगे। आप सरकार ने 31 मई तक पंजाब से नशा खत्म करने की समय सीमा भी तय की है।

वहीं पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने नशे को लेकर एक बार फिर से सरकार को घेरा है। वड़िंग ने कहा कि पंजाब से नशा तभी खत्म हो सकता है जब युवाओं को रोजगार मिलेगा। राजा वड़िंग को कांग्रेस की तरफ से संविधान बचाओ रैली के दौरान लोगों को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में उन्होंने सत्तासीन आम आदमी पार्टी, शिअद और भाजपा को भी जमकर जुबानी हमला किया। यहां तक कि वड़िंग ने पंजाब भाजपा प्रधान सुनील जाखड़ को मंच से चैलेंज भी किया है।

कांग्रेस के प्रदेश प्रधान राजा वडिंग ने कहा कि भाजपा संविधान तोड़ने की ताक में थी, लेकिन राहुल गांधी की तरफ से चुनाव के वक्त संविधान बचाने को चलाए गए अभियान के कारण भाजपा अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो पाई। 400 पार का दावा करने वाली भाजपा अकेले पूर्ण बहुमत भी नहीं ले पाई। जब पंजाब के युवाओं को रोजगार मिलेगा।

उम्र को मात देकर जीत लिया जैकपॉट

231 करोड़ रुपये जीत बना दिया इतिहास

» चेन्नई के श्रीराम राज गोपालन ने एमिरेट्स ड्रॉ लॉटरी में मचाया धमाल

शहनीर एन सिद्दकी/4पीएम

दुबई। जिस उम्र में आराम का मन करता है उस उम्र में चेन्नई के एक शख्स ने एमिरेट्स ड्रॉ के साथ 231 करोड़ रुपये का जैकपॉट जीत कर धमाल मचा दिया। बता दें चेन्नई के 56 साल सेवानिवृत्त इंजीनियर श्रीराम राजगोपालन ने इस उम्र में ये मुकाबला जीतकर सबको स्तब्ध कर दिया। कई लोग अपने जीवन के बारे में सोचते हैं कि अब बस, उस उम्र में राजगोपालन ने अपने तीक्ष्ण बुद्धि से कमाल किया।

रविवार, 16 मार्च, 2025 को, अपने जन्मदिन के एक दिन बाद श्रीराम ने कुछ ऐसा किया जो वह पहले भी कई बार कर चुके थे। उन्होंने एक टिकट खरीदा। लेकिन इस बार, उन्होंने एमिरेट्स ड्रॉ के एमईजी-7 गेम में सभी सात नंबरों का मिलान किया और वह क्षण ऐतिहासिक बन गया क्योंकि टाइकेरोस द्वारा संचालित विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त लॉटरी एमिरेट्स ड्रॉ ने अपने 231 करोड़ रुपये के जैकपॉट विजेता का ताज उन्हीं नंबर को पहनाया। यह एक भाग्यशाली विजेता के लिए जीवन बदलने वाला क्षण था और दुनिया भर के सपने देखने वालों के लिए एक शक्तिशाली अनुस्मारक था कि कुछ भी संभव है।लौटरी-4 खरीदते समय श्रीराम ने अपनी आँखें बंद करके स्टाइलस का उपयोग करके अपने फ़ोन पर बिना देखे नम्बर टैप कीं। फिर श्रीराम को वह कॉल आया जिसने सब कुछ बदल दिया। मुझे पहले तो यकीन नहीं हुआ। मैंने ड्रॉ का वीडियो फिर से देखा और जीतने वाले नंबरों का स्क्रीनशॉट भी लिया।

आनंद लें और जिम्मेदारी से खेलें

अब, श्रीराम आगे बढ़कर कुछ करने और बदलाव लाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। लेकिन हज़ारों सपने देखने वालों के लिए उनका संदेश सोने जैसा है। आपको असफलताओं, भावनाओं और ऐसे क्षणों का सामना करना पड़ेगा जब आप खुद से सवाल करेंगे... सुनिश्चित करें कि आप वापस आएं और खेलें। कम से कम एक टिकट खरीदें, आनंद लें और जिम्मेदारी से खेलें। आपको नहीं पता कि किस्मत कब आप पर चमकेगी। मैंने बस यही किया और इसने सब कुछ बदल दिया।

अपनी ताकत का श्रेय माँ को दिया

एक साधारण, मध्यम-वर्गीय परिवार में पले-बढ़े, श्रीराम अपनी ताकत का श्रेय एक व्यक्ति, अपनी माँ को देते हैं। अम्मा ने हमें कभी हार न मानने की शिक्षा दी। चाहे कुछ भी हो जाए। उस विश्वास ने उन्हें कड़ी मेहनत और पारिवारिक मूल्यों से भरे सपनों से भरी एक स्थिर ज़िंदगी दी। वह 1998 में सऊदी अरब चले गए, अपनी पत्नी के साथ विदेश में जीवन बनाया, दो बेटों की परवरिश की और 2023 में सेवानिवृत्त होने के बाद घर लौट आए। स्वास्थ्य चुनौतियों और अपनी बीमार माँ की देखभाल की ज़िम्मेदारी के बावजूद, श्रीराम ने कभी भी अपना विश्वास नहीं खोया। मैंने खेलने से कुछ समय के लिए ब्रेक ले लिया था, लेकिन फिर मैंने सोचा, क्या होगा अगर किस्मत ने साथ दिया और मेरे पास टिकट नहीं है? मैं उस मौके को नहीं खोना चाहता था।

70 प्रतिशत खुशी, 30 प्रतिशत डर

श्रीराम ने जीत के इस पल को सरल शब्दों में बताया कि 70प्रतिशत खुशी। 30प्रतिशत डर। यह बहुत बड़ी रकम है। मैंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं किया, लेकिन एमिरेट्स ड्रॉ ने मुझे इस सब से बाहर निकाला। यह जीत सिर्फ़ मेरे लिए नहीं है, यह मेरे परिवार, मेरे बच्चों और इसे पढ़ने वाले सभी लोगों के लिए उम्मीद है। हर पिता अपने बच्चों का भविष्य सुरक्षित करने का सपना देखता है और अब मैं ऐसा कर सकता हूँ क्योंकि यह पीढ़ी दर पीढ़ी संपत्ति बनाने का मौका है। जब उनसे वापस देने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने संकोच नहीं किया।

बहुत सारे अच्छे काम करने की जरूरत

मेरे पास दान-पुण्य के कामों का इतिहास है, लेकिन इन दिनों मैं देख रहा हूँ कि कैंसर कितने लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहा है, खासकर बच्चों को और मैं ऐसे कारणों का समर्थन करना चाहता हूँ जो मायने रखते हैं। मंदिरों और वृद्धाश्रमों से लेकर कैंसर चैरिटी तक। बहुत सारे अच्छे काम करने की ज़रूरत है। उनकी रणनीति? लोग कभी-कभी रणनीतियों से ग्रस्त हो जाते हैं, लेकिन किस्मत फ़ॉर्मूले का पालन नहीं करती। एकमात्र रणनीति ज़िम्मेदारी से खेलना, वह खरीदना जो आप खरीद सकते हैं, और अनुभव का आनंद लेना है। यही भावना है! श्रीराम उन लोगों से क्या कहते हैं जो इन जीतों पर संदेह करते हैं? इंटरनेट पर बहुत शोर है; आपको भाग्यशाली नंबर बेचने वाले घोटाले या इसे नकली बताने वाले लोग मिल जाएँगे। उनके झांसे में न आएँ। सच्चाई जानने का एकमात्र तरीका आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से खुद इसे आज़माना है।

मेरे जो अच्छे काम है उसके लिए याद किया जाए

क्या 231 करोड़ रुपये की जीत श्रीराम को बदल देगी? जब मैं एक नियमित कर्मचारी था, तब की तुलना में अब मेरे पास चुनने के लिए ज़्यादा विकल्प हैं। इसलिए, हाँ यह मेरी ज़िंदगी बदल सकता है, लेकिन मैं कौन हूँ, यह नहीं बदल सकता। जब उनसे पूछा गया कि वे अपने पीछे क्या विरासत छोड़ना चाहते हैं, तो उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि मैंने कुछ भी आविष्कार नहीं किया है या कोई ग्रह नहीं खोजा है, मैं बस भाग्यशाली और आभारी हूँ। मैं चाहता हूँ कि आशीर्वाद बहता रहे और मुझे उम्मीद है कि मैं जो अच्छा देता हूँ, उसके लिए मुझे याद किया जाएगा। क्योंकि मेरे लिए, वापस देना ही लॉटरी जीत को वास्तव में सार्थक बनाता है।

लॉटरी में उनकी रुचि और लगन से मिली प्रेरणा

लॉटरी में उनकी रुचि और लगन ने उन्हें नियमित रूप से सभी एमिरेट्स ड्रॉ गेम खेलने के लिए प्रेरित किया, चाहे वह छोटा हो या बड़ा, क्योंकि बाधाएं तो बाधाएं ही होती हैं और यही इसे रोमांचक बनाती हैं! अन्य खिलाड़ियों की तरह, श्रीराम ने भी किस्मत पर भरोसा करते हुए खेला, न कि जीवन बदलने वाली जीत की उम्मीद करते हुए। हालाँकि, किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। हमारे 231 करोड़ रुपये के विजेता को बधाई, जिसका जीवन और आने वाली पीढ़ियों का जीवन हमेशा के लिए बदल जाएगा

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

मानव के लिए नया खतरा बन रहा माइक्रोप्लास्टिक

एक तरह से प्लास्टिक सर्वव्यापी हो गया है, जिससे खतरे की गंभीरता का पता चलता है। इस खतरे का एक पहलू यह भी है कि भारत प्लास्टिक प्रदूषण के मामले में दुनिया में पहले नंबर पर हैं। नेचर जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में बताया गया था कि उच्च आय वाले देशों में प्लास्टिक कचरा उत्पादन दर अधिक है, लेकिन वहां प्लास्टिक के नियंत्रित निपटान की व्यवस्था है।

भारत दुनिया के प्रदूषक देशों में टॉप पर बना हुआ है। वायु, जल तो लोगों को जीना मुहाल किए हुए है अब प्लास्टिक प्रदूषण कितना घातक सिद्ध हो रहा है, यह बात किसी से छिपी हुई नहीं है। यह जमीन ही नहीं, समुद्र को भी प्रदूषित कर रहा है। माइक्रोप्लास्टिक के रूप में जो नया खतरा सामने आया है, उससे वैज्ञानिक भी चिंतित नजर आ रहे हैं। रक्त, फेफड़े, यकृत, मस्तिष्क ही नहीं गर्भ तक माइक्रोप्लास्टिक पहुंच गया है। जब बड़े पैमाने पर प्लास्टिक प्रदूषण फैला हुआ है तो दूसरे जीव भी कैसे सुरक्षित रह सकते हैं। इसलिए हाथियों को प्लास्टिक की वजह से हो रहे नुकसान की खबरों पर आश्चर्य नहीं होना चाहिए। हाथियों के आवागमन के गलियारों तक प्लास्टिक की पहुंच इंसानी गतिविधियों के चलते ही हुई होगी या फिर नदी-नालों के जरिए प्लास्टिक उन तक पहुंचा होगा। देश में करीब 150 हाथी गलियारे हैं, जाहिर है वे भी प्लास्टिक की पहुंच से अछूते नहीं रहे। इसलिए हाथियों के पेट में भी बड़ी मात्रा में प्लास्टिक जमा होने के मामले सामने आ रहे हैं। एक तरह से प्लास्टिक सर्वव्यापी हो गया है, जिससे खतरे की गंभीरता का पता चलता है। इस खतरे का एक पहलू यह भी है कि भारत प्लास्टिक प्रदूषण के मामले में दुनिया में पहले नंबर पर हैं। नेचर जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में बताया गया था कि उच्च आय वाले देशों में प्लास्टिक कचरा उत्पादन दर अधिक है, लेकिन वहां प्लास्टिक के नियंत्रित निपटान की व्यवस्था है। इसलिए वहां प्लास्टिक प्रदूषण कम है।

भारत इस मोर्चे में बहुत पीछे है। प्लास्टिक प्रदूषण जिस तेजी से बढ़ रहा है, उससे पूरी पृथ्वी को ही खतरा पैदा हो गया है। यही वजह है कि प्लास्टिक का इस्तेमाल कम से कम करने और प्लास्टिक कचरे के निस्तारण पर जोर दिया जा रहा है। इस वर्ष 5 जून को मनाए जा रहे अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस की थीम भी प्लास्टिक से जुड़ी हुई है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने विश्व पर्यावरण दिवस से पूर्व, 'एक राष्ट्र, एक मिशन- प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करें' अभियान भी शुरू कर दिया है। यह अभियान प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों के बारे में जागरूकता पैदा करने और पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों को अपनाने को प्रोत्साहन देने पर केंद्रित रहेगा। प्लास्टिक से मुक्ति के लिए अभियान चलते रहते हैं, लेकिन इनका खास असर नजर नहीं आता। आम जन अब भी प्लास्टिक से पैदा हो रहे खतरे को समझ नहीं पा रहा। असल में प्लास्टिक अपने विभिन्न रूपों में लोगों की जीवनशैली में घुलमिल गया है। सुविधाजनक, सस्ता और आकर्षक होने की वजह से प्लास्टिक हर वर्ग को लुभाता है। अब तो इमारतों की साज-सज्जा में भी प्लास्टिक का खूब इस्तेमाल हो रहा है। एक तरफ प्लास्टिक से मुक्ति का अभियान चलाया जाता है, दूसरी तरफ प्लास्टिक उद्योग को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए कथनी-करनी का यह अंतर समाप्त करना होगा और प्लास्टिक कचरे के निस्तारण की ठोस योजना बनाकर उस पर अमल करना होगा। साथ ही प्लास्टिक का विकल्प तैयार करने के शोध को प्रोत्साहित करना होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

परमाणु बम का हौवा बरकरार रहने की आशंका

मनोज जोशी

शेक्सपियर के मशहूर नाटक मैकबेथ के चरित्र बैंको के भूत की तरह, परमाणु हथियारों का साया हाल के दशकों में भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्षों पर रह-रहकर मंडराता रहा है। नकारने के बावजूद, ऑपरेशन सिंदूर पर भी यह मंडराता रहा। पिछले इतिहास को देखने पर, वास्तविक परमाणु युद्ध का जोखिम हालांकि बहुत कम, लगभग नगण्य लगता रहा है। लेकिन जिस प्रकार की घटनाएं सामने आई हैं, कई राहें दिखाई देनी लगी हैं,जो भयावह अंजाम की ओर ले जा सकती हैं। इन संभावनाओं की गंभीरता ने ही अमेरिका को इस युद्ध से दूरी बनाए रखने के अपने पहले रुख को तजकर, त्वरित सक्रिय कूटनीतिक प्रयास करने और दोनों पक्षों के बीच युद्ध विराम करवाने में मदद करने को सक्रिय किया। भारत का कहना है कि यह युद्ध विराम द्विपक्षीय रहा, लेकिन इतना तो स्पष्ट है कि यह 'अंकल सैम' (ट्रंप) की मध्यस्थता से बना है, जो अब हमें इसके बारे में बार-बार याद दिलाते नहीं थक रहे।

बीती 12 मई को कतर की अपनी यात्रा की पूर्व संध्या पर व्हाइट हाउस में बोलते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा 'मेरे प्रशासन ने भारत और पाकिस्तान के बीच पूर्ण और तत्काल युद्धविराम करवाने में मदद की, मुझे लगता है यह स्थायी होगा, इस तरह बड़ी संख्या में परमाणु हथियारों से लैस इन दो मुल्कों के बीच खतरनाक संघर्ष समाप्त हो गया'। इससे एक दिन पहले, उन्होंने 'मौजूदा आक्रामकता' को खत्म करने के लिए भारतीय और पाकिस्तानी नेतृत्व की प्रशंसा की थी और कहा कि 'लाखों भले और निर्दोष लोग अन्यथा मारे जाते'। टकराव बनने से पहले ही, पाकिस्तान ने परमाणु घुड़की देनी शुरू कर दी थी। भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित करने के बाद, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया कि पानी को रोकने या मोड़ने के किसी भी प्रयास को युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और इसका जवाब राष्ट्रीय शक्ति और उपलब्ध तमाम संसाधन का उपयोग करके दिया जाएगा'। यहां पर 'तमाम संसाधन' का अभिप्राय स्पष्ट रूप से परमाणु हथियार था। फिर, जैसे-जैसे संकट बढ़ता गया, पाकिस्तान और ज्यादा परमाणु घुड़कियां देने लगा।

बता दें कि 10 मई को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राष्ट्रीय कमान प्राधिकरण की बैठक बुलाई, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के अलावा परमाणु हथियारों से संबंधित मामलों पर निर्णय लेने वाली शीर्ष संस्था है। बाद में पाकिस्तान आसानी से इससे मुकर गया। परमाणु हथियारों से संबंधित घटनाक्रमों

को लेकर बहुत सी भ्रामक सूचनाएं फैलीं। ऐसी ही एक खबर में बताया गया कि किराना हिल्स पर भारतीय हमले के तुरंत बाद, जहां कथित तौर पर कुछ पाकिस्तानी परमाणु हथियार रखे हुए हैं, एक बीचक्राफ्ट सुपर किंग एयर 350 विमान सरगोधा में उतरा है - जो कथित तौर पर अमेरिकी ऊर्जा विभाग का है। बाद में पता चला कि यह विमान सच में पहले अमेरिकी एजेंसी का था, जिसे पाकिस्तान ने 2010 में खरीद लिया था और इसकी उपस्थिति का परमाणु एंगल से कुछ लेना-देना नहीं था। भारत ने इस बात से इनकार किया कि उसने सरगोधा के नजदीक मुशाफ एयरबेस से लगभग 15 किमी. दूर स्थित किराना हिल्स पर कोई हमला किया है। लेकिन हां, किराना हिल्स के मुहाने पर स्थित दो सैन्य ठिकानों पर भारतीय हमले के सबूत अवश्य हैं। यहां स्पष्ट करना होगा कि रावलपिंडी के पास नूर खान वायुसेना अड्डा, कराची के पास मलीर और किराना हिल्स पर भारतीय हमलों का मकसद कुछ ऐसा ही संदेश देना था। क्योंकि इन जगहों पर या इनके आसपास ही कहीं पाकिस्तान के परमाणु हथियार रखे होने के कयास हैं। यह 12 मई को और भी स्पष्ट हो गया, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि 'भारत परमाणु ब्लैकमेल बर्दाश्त नहीं करेगा और परमाणु ब्लैकमेल की आड़ में पनप रहे आतंकी ठिकानों पर भारत सटीक और निर्णायक हमला करेगा'। यह एक नया सैद्धांतिक रुख है, क्योंकि पिछले 40 वर्षों में भारत ने सीमा पार से चलाए जा रहे आतंकवाद का सामना किया है, यह परमाणु कारक ही था जिसने भारत के हाथ बांध रखे थे। गत 13 मई को अपने आधिकारिक व्यक्तव्य में, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने संघर्ष विराम करवाने में ट्रम्प के दावों को खारिज कर दिया और इस बात पर भी जोर दिया कि भारतीय 'सैन्य कार्रवाई का तरीका पूरी तरह से पारंपरिक था'।

भारत का अपना परमाणु सिद्धांत है, जो कहता है कि उसके परमाणु हथियार केवल भारत या भारतीय सेना पर कहीं भी परमाणु, रासायनिक या जैविक हथियार हमले के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के लिए हैं। जबकि पाकिस्तान का कोई घोषित सिद्धांत नहीं है, लेकिन उसने कई बार दावा किया है कि उसके आण्विक हथियारों का लक्ष्य भारत है, जिनका इस्तेमाल वह तब करेगा जब उसे बड़ी इलाकाई हानि पहुंचे या प्रमुख सैन्य सीमा नष्ट किए जाने पर या फिर आर्थिक रूप से गला घोंटने की कोशिश की जाए।

फिर देश की जीवन रेखा बन जाएगा जल संचयन

दीपक कुमार शर्मा

भारत में वर्षा जल संचयन बाजार का मूल्य वर्ष 2024 में लगभग 263 मिलियन अमेरिकी डॉलर आंका गया था। इसके 2030 तक 378 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। वर्षा जल संचयन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें वर्षा के जल को इकट्ठा करके, संगृहीत कर विभिन्न उपयोगों हेतु प्रयोग किया जाता है। जिससे यह जल व्यर्थ बहने के बजाय एक उपयोगी संसाधन बन जाता है। एक टिकाऊ तकनीक छतों, ज़मीन की सतहों अथवा अन्य संग्रहण क्षेत्रों से वर्षा जल को पाइपों या नालियों के माध्यम से टंकियों, हौदों अथवा जलाशयों में पहुंचाकर संचयित करती है। यह एक प्राचीन परंपरा है, जिसे आज जल संकट और पर्यावरणीय चुनौतियों को देखते हुए पुन: अपनाया जा रहा है।

संगृहीत वर्षा जल का उपयोग सिंचाई, घरेलू जरूरतों, औद्योगिक प्रक्रियाओं और भूजल पुनर्भरण के लिए किया जा सकता है। यह न केवल नगरपालिका जल आपूर्ति पर निर्भरता को घटाता है, बल्कि मिट्टी के कटाव को रोकने और शहरी बाढ़ को कम करने में भी सहायक होता है। इसके अतिरिक्त, यह आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देता है और अनिश्चित वर्षा वाले क्षेत्रों में एक स्थायी जल स्रोत उपलब्ध कराता है। यह पर्यावरण-मित्र विधि विशेष रूप से शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में अत्यंत लाभदायक है, जहां जल संसाधनों की भारी कमी है। यह एक कम लागत और सरल पद्धति है, जिसे व्यक्तिगत आवासों से लेकर सामुदायिक परियोजनाओं तक विभिन्न स्तरों पर अपनाया जा सकता है। यदि इसे शहरी और ग्रामीण योजना में समाहित किया जाए तो जल संकट का समाधान संभव है और टिकाऊ जल प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सकता है। केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा जल प्रबंधन को लेकर सख्त नीतियां लागू की गई हैं। जैसे कि 'अमृत मिशन' में वर्षा जल संचयन को शहरी जल संकट के समाधान का अभिन्न अंग बनाया गया है। तमिलनाडु जैसे राज्यों ने सभी भवनों में वर्षा जल संचयन को अनिवार्य कर दिया है, जो अब देश के अन्य हिस्सों में भी लागू किया जा रहा है। तमिलनाडु ने यह पहल 2001 में शुरू की गई थी। इसके अलावा, स्थानीय निकाय करों में छूट और वित्तीय सहायता भी प्रदान करते हैं जिससे इन प्रणालियों की स्थापना को प्रोत्साहन मिलता है।

2023 में केंद्रीय भूजल बोर्ड के अध्ययन के अनुसार, तमिलनाडु में निगरानी किए गए 72 फीसदी कुओं में भूजल स्तर में वृद्धि दर्ज की गई है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव जैसे अनियमित वर्षा और सूखे की घटनाओं ने वर्षा जल संचयन की आवश्यकता को बढ़ा दिया है। गैर-सरकारी संगठनों, स्कूलों और मीडिया द्वारा चलाए जा रही जागरूकता अभियानों ने लोगों को इस दिशा में प्रेरित किया है। भारत का शहरीकरण तीव्र गति से हो रहा है—2021 में लगभग 500 मिलियन की शहरी आबादी 2031 तक 600 मिलियन तक पहुंचने की संभावना है। शहरी क्षेत्र जहां कंक्रीट का वर्चस्व होता है, वहां वर्षा जल का प्राकृतिक भूजल पुनर्भरण बहुत कम हो पाता है। ऐसी स्थिति में वर्षा जल संचयन एक अनिवार्य आवश्यकता बन गया है।

दरअसल, इस अभियान की एक प्रमुख चुनौती जनसामान्य में तकनीकी जानकारी और जागरूकता की कमी है, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में। अनेक लोग इसे जटिल और महंगा मानते हैं, जिससे इसका व्यापक स्तर पर क्रियान्वयन प्रभावित होता है। तकनीकी विशेषज्ञता की कमी, गलत डिज़ाइन और रखरखाव में लापरवाही के कारण कई प्रणालियां विफल हो जाती हैं। इसके अतिरिक्त, वित्तीय बाधाएं भी हैं। गरीब वर्ग और छोटे किसान इस प्रणाली की लागत वहन नहीं कर पाते, जबकि सरकारी सब्सिडी कई बार पर्याप्त नहीं होती या उन तक पहुंच नहीं पाती। अब वर्षा जल संचयन में स्मार्ट तकनीक का प्रयोग होने लगा है। सेंसर-आधारित प्रणालियां, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और डेटा विश्लेषण की मदद से जल स्तर की निगरानी, गुणवत्ता परीक्षण और स्वचालित नियंत्रण संभव हो गया है। उदाहरण के लिए, टंकियों में लगे सेंसर पानी की मात्रा और स्वच्छता के स्तर की जानकारी देते हैं। शहरी क्षेत्रों में अब विकेंद्रीकृत वर्षा जल संचयन प्रणालियां लोकप्रिय हो रही हैं, जो एक-एक भवन या समाज स्तर पर काम करती हैं। यह प्रणाली नगरपालिका पर निर्भरता को घटाकर स्थानीय स्तर पर जल संकट का समाधान करती है। ग्रीन बिल्डिंग प्रमाणीकरण और सरकारी प्रोत्साहनों ने इसे और बल दिया है।

उल्लेखनीय है कि हरियाणा सरकार के अनुसार, 'मेरा पानी - मेरी विरासत' जैसी पहल से 2023-24 में लगभग 24.87 खरब लीटर पानी की बचत की गई। सितंबर, 2024 में प्रधानमंत्री ने गुजरात के सूरत में 'जल संचय जन भागीदारी' अभियान की शुरुआत की, जो 'जल शक्ति अभियान = कैच द रेन' के तहत समुदाय-आधारित जल संरक्षण को बढ़ावा देती है। फरवरी, 2023 में स्ट्रोमसेवर ने दो नई घरेलू वर्षा जल संचयन प्रणालियां पेश कीं, जो विशेष रूप से गर्मियों में जल संकट और आवासीय मांग को ध्यान में रखकर डिज़ाइन की गई हैं। यदि सही नीति, जागरूकता और तकनीकी सहायता जल संचयन को मिलती रहे तो यह देश के जल संकट का एक स्थायी समाधान बन सकता है। विशेषकर हरियाणा जैसे राज्यों में जहां भूजल स्तर खतरनाक रूप से नीचे जा रहा है, वहां इस प्रणाली को अनिवार्य रूप से अपनाना आवश्यक हो गया है। सरकार, समाज और उद्योगों के सम्मिलित प्रयासों से ही बात बनेगी।

नेचुरल ग्लो के लिए घर पर बनाएं ये फेस मिस्ट

ग्रीन टी और टी ट्री ऑयल

ग्रीन टी एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है, जो त्वचा को डिटॉक्स करती है, और टी ट्री ऑयल मुंहासों से लड़ने में मदद करता है। टी ट्री ऑयल नेचुरल होने के साथ त्वचा को चमकदार बनाने में मदद करता है। टी ट्री ऑयल में एंटीमाइक्रोबायल गुण होने से ये स्किन के इंफेक्शन को भी दूर करने में मददगार होता है। टी ट्री तेल का उपयोग कई कॉस्टमेटिक प्रोडक्ट्स को बनाने में भी किया जाता है। इस बनाने के लिए हमें 1 कप ठंडी ग्रीन टी, 2-3 बूंद टी ट्री ऑयल, 1 चम्मच नींबू का रस चाहिए। फिर ग्रीन टी को ठंडा होने दें, फिर उसमें टी ट्री ऑयल और नींबू का रस मिलाएं। इस मिश्रण को स्प्रे बॉटल में भरें और हल्के हाथों से शेक करें। जब भी चेहरा ऑयली लगे या मुंहासों की समस्या हो, इस मिस्ट को स्प्रे करें। इस फेस मिस्ट का रोजाना इस्तेमाल करने से त्वचा साफ और ब्राइट दिखेगी।

तरीका

ये सभी फेस मिस्ट नेचुरल हैं, इसलिए इन्हें 4-5 दिनों के अंदर ही इस्तेमाल करें। इन्हें हमेशा फ्रिज में स्टोर करें, ताकि ये ताजगी बनाए रखें। अगर कोई इंग्रीडिएंट आपको सूट नहीं करता, तो पहले पैच टेस्ट कर लें।

गुलाब जल और एलोवेरा फेस मिस्ट

गुलाब जल स्किन को ठंडक देता है और एलोवेरा हाइड्रेशन के साथ-साथ ऑयल बैलेंस बनाए रखता है। एलोवेरा जेल और गुलाब जल का कॉम्बिनेशन त्वचा पर मौजूद मुंहासों से छुटकारा दिलाने में बहुत फायदेमंद है। इसमें एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो पिंपल्स और उनकी सूजन को दूर करते हैं। इसके अलावा ये दाग-धब्बों को दूर करने में प्रभावी हैं। एलोवेरा जेल और गुलाब जल का फेस मिस्ट लगाने से त्वचा की रंगत में भी सुधार होता है और चेहरे की चमक बढ़ती है। इसे बनाने के लिए सामग्री 3 बड़े चम्मच गुलाब जल, 1 बड़ा चम्मच एलोवेरा जेल, 1/2 कप पानी चाहिए। फिर गुलाब जल, एलोवेरा जेल और पानी को एक साथ अच्छे से मिलाएं। इस मिश्रण को स्प्रे बॉटल में भरें। जब भी चेहरा थका हुआ या ऑयली लगे, हल्के-हल्के स्प्रे करें और टिशू से थपथपाकर सुखा लें। इसे ठंडा रखने के लिए फ्रिज में स्टोर करें और दिन में 2-3 बार इस्तेमाल करें।

खीरा और पुदीना

आपकी स्किन के लिए खीरी और पुदीना बहुत ही फायदेमंद होता है। क्योंकि खीरा प्राकृतिक रूप से ठंडक देता है, जबकि पुदीना स्किन को ऑयल-फ्री और फ्रेश बनाए रखता है। इसे बनाने के लिए हमें 1/2 खीरा (ब्लेंड किया हुआ), 5-6 पुदीने की पत्तियां, 1/2 कप पानी। फिर खीरे का रस निकाल लें और उसमें पुदीने की पत्तियां और पानी मिलाएं। इसे छानकर स्प्रे बॉटल में भरें और फ्रिज में रख दें। जब भी स्किन थकी हुई या चिपचिपी लगे, इसे चेहरे पर स्प्रे करें और ताजगी पाएं। गर्मियों में बाहर जाने से पहले इस मिस्ट को लगाएं, यह नेचुरल टोनर की तरह भी काम करेगा।

चेहरे की चिपचिपाहट हो जाएगी गायब

महिलाएं अपनी स्किन को लेकर काफी जागरूक होती हैं और स्किन केयर के लिए अलग-अलग प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। इसके लिए महिलाएं फेस मिस्ट का भी इस्तेमाल भी करती हैं। फेस मिस्ट त्वचा को ताजगी और नमी देने के लिए एक बेहतरीन तरीका है। यह खासकर ऑयली स्किन वालों के लिए बहुत फायदेमंद होता है क्योंकि यह एक्स्ट्रा ऑयल को कंट्रोल करता है और स्किन को हाइड्रेटेड रखता है। लेकिन सही नतीजे पाने के लिए इसका सही तरीके से उपयोग करना जरूरी है। लेकिन अगर स्किन ऑयली है और हर समय चिपचिपाहट से परेशान होती है तो आप एक नेचुरल और ताजगी भरा फेस मिस्ट का उपयोग कर सकते है। ये न सिर्फ आपकी त्वचा को हाइड्रेट रखेगा, बल्कि एक्स्ट्रा ऑयल को भी कंट्रोल करेगा।

हंसना मना है

भाभी जी- भैया, ये आम लंगड़ा है क्या? फलवाला- हां भाभी, भाभी जी- लेकिन सभी एक जैसे दिख रहे है, मैं कैसे मानूं? फलवाला- लंगड़ा है तभी तो ठेले पर बिठाकर घुमा रहा हूं। फलवाले की बात सुन भाभी जी बेहोश।

सास- दामाद जी अगले जन्म में आप क्या बनना चाहेंगे? दामाद- अगले जन्म में छिपकली बनना चाहुंगा। सास- छिपकली? वो क्यूं? दामाद- क्योंकि आपकी बेटी छिपकली से बहुत डरती है।

संता बड़ा परेशान था, बेचारे की शादी जो नहीं हो रही थी। हर बार शादी होते-होते टूट जाती। बेचारा एक दिन एक पंडित जी के पास पहुंच गया। और बोला- पंडित जी कोई उपाय बताए मेरी शादी नहीं हो रही हमेशा टूट जाती है। पंडित जी ने कहा- शादी हो जाएगी, लेकिन सबसे पहले तुम लोगों से सदा सुखी होने का आशीर्वाद लेना बंद करो।

शादी में पंडित जी ने दूल्हे का हाथ दुल्हन के हाथ में थमा दिया। एक बच्चा ये देख रहा था, उसने अपने पिता से पूछा -पिताजी दूल्हा और दुल्हन आपस में हाथ क्यों मिला रहे हैं? पिता ने उत्तर दिया - बेटा, पहलवान अखाड़े में उतरने से पहले हाथ जरूर मिलाते हैं।

कहानी | अंधा घोड़ा

एक बार की बात है एक शहर के नज़दीक बने एक फार्म हाउस में दो घोड़े रहते थे। दूर से देखने पर वो दोनों बिलकुल एक जैसे दीखते थे, पर पास जाने पर पता चलता था कि उनमें से एक घोड़ा अंधा है। पर अंधे होने के बावजूद फार्म हाउस के मालिक ने उसे वहां से निकाला नहीं था बल्कि उसे और भी अधिक सुरक्षा और आराम के साथ रखा था। अगर कोई थोड़ा और ध्यान देता तो उसे ये भी पता चलता कि मालिक ने दूसरे घोड़े के गले में एक घंटी बांध रखी थी, जिसकी आवाज सुनकर अंधा घोड़ा उसके पास पहुंच जाता और उसके पीछे-पीछे बाड़े में घूमता। घंटी वाला घोड़ा भी अपने अंधे मित्र की परेशानी समझता था, वह बीच-बीच में पीछे मुड़कर देखता और इस बात को सुनिश्चित करता कि कहीं वो रास्ते से भटक ना जाए। वह ये भी सुनिश्चित करता कि उसका मित्र सुरक्षित है या नहीं। वापस आने पर अंधा घोड़ा जब तक अपने स्थान पर पहुंच न जाए तब तक वह उसकी ओर देखता रहता था और जब वह अपनी जगह की ओर बढ़ जाता।

कहानी से सीख- दोस्तों, बाड़े के मालिक की तरह ही भगवान हमें बस इसलिए नहीं छोड़ देते कि हमारे अन्दर कोई दोष या कमियां हैं। वो हमारा ख्याल रखते हैं और हमें जब भी ज़रुरत होती है तो किसी ना किसी को हमारी मदद के लिए भेज देते हैं। कभी-कभी हम वो अंधे घोड़े होते हैं, जो भगवान द्वारा बांधी गयी घंटी की मदद से अपनी परेशानियों से पार पाते हैं तो कभी हम अपने गले में बंधी घंटी द्वारा दूसरों को रास्ता दिखाने के काम आते हैं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

मेहनत का फल मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। बुरे लोगों से दूर रहें। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय बढ़ेगा।

वृषभ

दूर से सुखद सूचना मिल सकती है। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। लाभ बढ़ेगा।

मिथुन

नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

कर्क

पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

सिंह

परिवार तथा मित्रों के साथ कोई मनोरंजक यात्रा का आयोजन हो सकता है। रुका हुआ पैसा मिलने का योग है। मित्रों के सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे। समय अनुकूल है।

कन्या

कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। योजना फलीभूत होगी। कारोबार में वृद्धि पर विचार हो सकता है। नौकरी में अधिकारीगण प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग मिलेगा।

तुला

किसी धार्मिक स्थल की यात्रा की आयोजना हो सकती है। सत्संग का लाभ मिलेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी।

वृश्चिक

चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। लापरवाही न करें। किसी व्यक्ति से व्यर्थ विवाद हो सकता है। मानसिक क्लेश होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

धनु

जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे तथा समस्या बढ़ सकती है। विरोध होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। बाहर जाने की योजना बनेगी। नौकरी में चैन रहेगा।

मकर

भूमि, भवन, दुकान, शोरूम व फैक्टरी इत्यादि की खरीद-फरोख्त हो सकती है। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

कुम्भ

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। कोई मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा।

मीन

दूसरे से अधिक अपेक्षा करेंगे। जल्दबाजी से काम में बाधा उत्पन्न होगी। दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। बनते कामों में देरी होगी।

जल्द ही 'शीशा' गाने से स्क्रीन पर कोहराम मचाएंगी सपना चौधरी

डांसर और अभिनेत्री के तौर पर पहचानी जाने वाली सपना चौधरी ने अपने फैंस को बहुत बड़ी खुशखबरी दी है। डांसर का एक नया गाना शीशा जल्द रिलीज होने वाला है, जिसकी जानकारी सपना ने अपने सोशल मीडिया पर दी है। इसे सुन यूजर्स प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

सपना चौधरी टीवी रियलटी शो बिग बॉस 11 में प्रतिभागी रह चुकी हैं। इसके साथ ही वो अपने कई हरियाणवी गानों से दर्शकों के बीच काफी मशहूर हैं। उनके कुछ प्रसिद्ध गानों में तेरी आंखों का काजल, चटक मटक शामिल है। इसके अलावा वह भोजपुरी और पंजाबी इंडस्ट्री में भी काम कर चुकी हैं।

सपना चौधरी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में अभिनेत्री ने अपने नए एल्बम 'शीशा' का एलान किया है, जो जल्द रिलीज होने वाला है। इसमें सपना व्हाइट ड्रेस संग सिर पर क्राउन पहने दिख रही हैं, जिसमें वो परी जैसी लग रही हैं। इस गाने को राहुल भारद्वाज द्वारा गाया गया है और एल्बम का निर्देशन साहिल संधू ने किया है। इस एल्बम को देसी गीत बैनर के तले तैयार किया गया है।

डांसर और अभिनेत्री सपना चौधरी के इस पोस्ट को देख इंस्टग्राम यूजर्स शानदार प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, नए गाने की बधाई सपना। दूसरे यूजर ने सपना के लुक पर कहा कि वो बहुत खूबसूरत लग रही हैं। इसके अलावा एक अन्य यूजर ने लिखा कि सपना की झलक सबसे अलग।

एडिन रोज को लग गई 'बुरी नजर'

रियालिटी शो 'बिग बॉस 18' के बाद एडिन रोज काफी मशहूर हो गईं। हाल ही में उन्हें एक बड़े अवॉर्ड फंक्शन में परफॉर्म करना था लेकिन अपनी परफॉर्मेंस से कुछ घंटे पहले ही वह बीमार हो गईं और अचानक उन्हें इमरजेंसी वॉर्ड में दाखिल होना पड़ा। कई दिन तक हॉस्पिटल में रहने के बाद अब एडिन घर लौट आई हैं और पब्लिक इवेंट्स में शामिल हो रही हैं। हाल ही में एक इवेंट में एडिन ने अपने बीमार होने का असल कारण बुरी नजर को बताया।

एडिन रोज के करियर फंट की बात करें तो वह बतौर वाइल्ड कार्ड 'बिग बॉस 18' में शामिल हुईं। कई दिनों तक इस शो का हिस्सा रहीं। वह मॉडलिंग में भी एक्टिव हैं। साथ ही सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय रहती हैं।

हाल ही में इंस्टेंट बॉलीवुड से की गई बातचीत में एडिन रोज कहती हैं, 'मैं अवॉर्ड फंक्शन में परफॉर्म करने के लिए एक महीने से तैयारी कर रही थी, सब अच्छा चल रहा था, मैं खुशी थी। जिस दिन मुझे परफॉर्म करना था मैं एक घंटे पहले बीमार हो गई और हॉस्पिटल में एडिम होना पड़ा। यह सब बुरी नजर के कारण हुआ, सच में बुरी नजर होती है।' आगे एडिन रोज कहती हैं, 'बुरी नजर से बचने का एक ही तरीका है कि आप अपने ईश्वर के करीब रहो। आप जिस भी धर्म या भगवान को मानते हैं तो उनका नाम लो। मैं भी इस मुश्किल वक्त में अपने क्रिएटर के साथ जुड़ी और ठीक हो गई।' जब एडिन बीमारी थीं तो उन्होंने हॉस्पिटल से अपनी तस्वीरें भी साझा की थीं, जिनमें वह काफी तकलीफ में नजर आ रही थीं। साथ ही एडिन ने उन तस्वीरों पर लिखा था, 'यहां फिर कभी नहीं आऊंगी।'

मलयालम | मन की बात

साउथ फिल्मों के बजट में ड्रग्स के लिए अलग से जारी होती है धनराशि : सैंड्रा

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री एक बार फिर विवादों के घेरे में आ गई है। कुछ समय पहले एक्ट्रेस विंसी एलोशियस ने शाइन टॉम चाको पर नशे में उत्पीड़न का आरोप लगाया था। लेकिन उनपर कोई कानूनी कार्रवाई नहीं हुई और अब फिल्म निर्माता और अभिनेत्री सैंड्रा थॉमस ने इंडस्ट्री में ड्रग्स का इस्तेमाल होने की बात कही है। इतना ही नहीं एक्ट्रेस के मुताबिक फिल्म के बजट में ही इसके लिए अलग से राशि तक रखी जाती है। जहां एक तरफ दर्शक फिल्मों को एक कला मानते हैं, वहीं पर्दे के पीछे चल रहा यह अंधेरा सच चौंका देने वाला है। सैंड्रा थॉमस ने 'मनोरमा टीवी' के साथ एक इंटरव्यू में इंडस्ट्री के अंदर ड्रग्स के सिस्टमेटिक यूज को लेकर जो बातें बताई, उससे पूरे सिनेमा जगत में सनसनी फैल गई है। सैंड्रा का कहना है कि अब फिल्म के सेट पर बाकायदा ड्रग्स के इस्तेमाल के लिए अलग कमरों की व्यवस्था की जाती है। न सिर्फ ये, बल्कि फिल्मों के प्रोडक्शन बजट से ड्रग्स की खरीदारी तक की जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि इंडस्ट्री के ज्यादातर लोग इस चलन को जानते हैं लेकिन चुप रहते हैं क्योंकि उनका करियर इसी इंडस्ट्री पर निर्भर है। इस बातचीत में सैंड्रा ने यह भी कहा कि ड्रग्स का इस्तेमाल सिर्फ पुरुष नहीं, बल्कि महिलाएं भी कर रही हैं। चाहे वे कलाकार हों, तकनीशियन हों या फिर कोई दूसरा, सभी इस बुराई में शामिल हैं। इसके अलावा सैंड्रा ने एसोसिएशन पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि एसोसिएशन को सालों पहले ही एक्शन लेना चाहिए था। उन्होंने कहा कि सभी को पता है कि सेट पर क्या हो रहा है लेकिन कोई आगे नहीं आता क्योंकि सभी को डर है कि सच उजागर हुआ तो उनका काम छिन सकता है। गौरतलब है कि यह पहला मौका नहीं है जब सैंड्रा थॉमस ने ड्रग्स को लेकर चिंता जताई है।

आज भी सच होती है इस चिड़िया की भविष्यवाणी! मौसम का हाल बता देने का मिला है गॉड गिफ्ट

आज भले ही कई अत्याधुनिक उपकरण हैं, जिनकी मदद से मौसम का अनुमान वैज्ञानिक लगाते हैं। खासकर बारिश, ताकि किसान ऐसी फसलों का चयन कर सकें जो मौसम के अनुकूल हों। लेकिन, जब इस तरह के कोई उपकरण नहीं थे, तब किसान टिटहरी के दिए अंडों को देखकर यह अनुमान लगाते थे कि बारिश कैसी रहेगी? कितने महीने पानी गिरेगा या सूखा तो नहीं रहेगा? दअरसल, टिटहरी चिड़िया प्रजाति का पक्षी है, जिसे टटाटिबली नाम से भी जाना जाता है। इसे एक नायब पक्षी की श्रेणी में रखा गया है। कहते हैं कि टिटहरी को मौसम का हाल बता देने का गॉड गिफ्ट मिला है। खास बात ये कि आज भी लोग इस पक्षी पर पहले की तरह भरोसा करते हैं। खरगोन सहित प्रदेश के अन्य जिलों के ग्रामीण इलाकों में आज भी बारिश का सटीक आकलन लगाने के लिए लोग यही तरीका अपनाते हैं। कहते हैं कि टिटहरी के अंडे दिखाई देना इस बात का सबूत है कि उस इलाके में बारिश होना तय है। हालांकि, टिटहरी के अंडे आसानी से दिखाई नहीं देते हैं। क्योंकि, यह पक्षी अपने अंडे इंसानों की पहुंच से दूर रखता है। बीते वर्ष खरगोन के साटक तालाब किनारे टापू पर कई जगहों पर 4-4 की संख्या में टिटकारी ने अंडे दिए थे। इस साल भी सागर में अंडे दिखाई दिए हैं। माना जा रहा है कि बारिश अच्छी होगी। खरगोन पीजी कॉलेज के प्राणी शास्त्र के प्रोफेसर डॉ. रविन्द्र रावल ने बताया कि टिटहरी अप्रैल से जून माह के प्रथम सप्ताह तक अंडे देती है। लगभग 18 से 20 दिनों बाद इनमें से बच्चे बाहर निकल जाते हैं। उन्होंने बताया कि सुनते आए हैं कि टिटहरी ने चार अंडे दिए, इसका मतलब 4 महीने झमाझम बारिश होगी। 3 अंडे दिए, इसका मतलब होता है कि 3 महीने बारिश होगी। 2 अंडे दिए, मतलब दो महीने बारिश होगी। ग्रामीण भगवान पाटीदार और महादेव पटेल ने बताया कि देखा तो नहीं, लेकिन बुजुर्गों से सुना है कि पहले बारिश के मौसम में कौन सी फसल बोना है, इसका निर्धारण टिटहरी के अंडों को देखकर लगाया जाता था। संख्या के अलावा यह भी देखा जाता है कि अंडे खड़े हैं या बैठे। जितने अंडे खड़े हैं उतने महीने अच्छी बंदिश होगी। जितने अंडे बैठे हैं, उतने महीने हल्की बारिश होगी। अगर टिटहरी ने ऊंचे स्थान पर अंडे दिए हैं तो बारिश जल्दी होगी। निचले स्थान पर दिए हैं तो मान लीजिए बारिश देर से होगी। प्रोफेसर डॉ। रविन्द्र कहते हैं कि यह पक्षी अन्य पक्षियों की तरह अपने अंडे तोड़ने के लिए चोंच का इस्तेमाल नहीं करता। बल्कि, टिटहरी अपने अंडे तोड़ने के लिए एक खास तरह के पत्थर का इस्तेमाल करता है। एक किंवदंती के अनुसार, टिटहरी अपने अंडों को पारस पत्थर से तोड़ती है, पारस पत्थर वह होता है जो लोहे को भी सोना बना दे। हालांकि, अभी तक किसी को ऐसा पत्थर मिला नहीं है।

अजब-गजब | जीजा साले मिलकर करते थे नरभक्षी का काम

इंसानी भेजे का पीता था सूप, 14 खोपड़ियां घर में सजाईं, 25 साल बाद मिली उम्रकैद की सजा

कातिलों के बारे में तो आपने खूब सुना होगा, लेकिन क्या आपने किसी ऐसा कातिल के बारे में सुना है जो इंसानों की खोपड़ी का सूप पीता हो? जी हां हम बात कर रहे हैं राजा कलंदर के बारे में, नाम तो सुना ही होगा? अगर नहीं सुना तो अब जान जाइए।

राजा कलंदर जिसे लोग 'नरभक्ष', 'सीरियल किलर' और 'खोपड़ी जमा करने वाला' के नाम से जानते हैं। एक ऐसा दरिंदा जो अपने शिकार का सिर काटता, उसका भेजा निकालकर सूप बनाता और फिर उस सूप को बड़े चाव से बैठकर पीता था। एक समय था जब राजा नैनी स्थित केंद्रीय आयुध भंडार (सीओडी) छिवकी में एक सामान्य कर्मचारी था। लेकिन उसके भीतर जो राक्षसी प्रवृत्ति छुपी थी, वह आपकी और हमारी कल्पनाओं से परे थी। चलिए आपको बताते हैं इस खौफनाक दरिंदे के बारे में।

24 जनवरी 2000, मनोज कुमार और उनके ड्राइवर रवि श्रीवास्तव लखनऊ से रीवा की यात्रा पर निकले। उन्होंने चारबाग स्टेशन के पास छह लोगों को गाड़ी में बिठाया, जिनमें एक महिला भी थी। इसके बाद उनका आखिरी लोकेशन रायबरेली के हरचंदपुर में मिला, जहां उन्हें एक चाय की दुकान पर देखा गया था। फिर दोनों अचानक लापता हो गए। तीन दिनों की

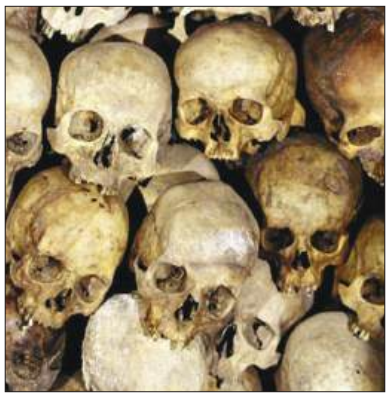

बेचैनी के बाद जब कोई खबर नहीं आई, तो मनोज के पिता शिव हर्ष सिंह ने नाका थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने भी खूब तलाशी ली लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। लेकिन कुछ हफ्तों बाद शंकरगढ़ के घने जंगलों में दो शव मिले जो मनोज और रवि के थे।

जांच के दौरान पुलिस ने राजा कलंदर और उसके साले को गिरफ्तार किया। पूछताछ में जो सामने आया, उसने हर किसी को हिला कर रख दिया। राजा कलंदर न केवल इन हत्याओं का दोषी था, बल्कि उसने पत्रकार धीरेंद्र सिंह की भी हत्या की थी। पुलिस को उसके फार्म हाउस से 14 इंसानों की खोपड़ियां बरामद हुईं। वह कहता था कि इन खोपड़ियों में शक्तियां होती हैं। सबसे भयावह खुलासा तब हुआ जब पता चला कि राजा नरभक्षी था। वह मरे हुए इंसानों के सिर काटता, उनके भेजे से सूप बनाकर पीता था।

25 साल बाद मिला न्याय

साल 2001 में पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की थी, लेकिन कानूनी पेचीदगियों के कारण सुनवाई 2013 में जाकर शुरू हो सकी और अब, 25 साल बाद, 2025 में जाकर आखिरकार फैसला सुनाया गया। जज रोहित सिंह ने सोमवार को राजा कलंदर और उसके साले को दोषी ठहराया और शुक्रवार को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। साल 2000 में लखनऊ से शुरू हुई यह खौफनाक कहानी, 25 साल बाद अब जाकर अपने अंजाम तक पहुंची है। राजा कलंदर और उसके साले वच्छराज कोल को लखनऊ की कोर्ट ने डबल हत्याकांड में दोषी करार दिया है। अदालत में सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने 12 गवाहों की गवाही के आधार पर यह साबित किया कि यह एक प्लानिंग की गई हत्या थी, जिसमें अपहरण, लूट और निर्मम हत्या शामिल थी।

सिंदूर के सौदागर बने पीएम मोदी : संजय सिंह

बोले- भाजपा शहीदों का कर रही अपमान

» आप पर भाजपा का पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर ऑपरेशन सिंदूर के बहाने राजनीतिक प्रचार करने और शहीदों के बलिदान पर सियासत करने का आरोप लगाया है। आप के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि पहलगाम में जिन बहनों का सिंदूर उजड़ा, उनके घरों में अभी मातम पसरा है और प्रधानमंत्री सिंदूर के सौदागर बनकर प्रचार रैलियों में मशगूल हैं। संजय ने कहा कि ऑपरेशन अभी समाप्त नहीं हुआ है, आतंकवादी पकड़े नहीं गए हैं और देश की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बरकरार हैं। बावजूद इसके पीएम रेलवे टिकटों पर अपनी तस्वीरें छपवाकर प्रचार में लगे हैं।

उन्होंने कहा कि पहले एक फिल्म 'सौदागर' आई थी, अब मोदी ने 'सिंदूर का सौदागर' नाम की फिल्म रिलीज कर दी है, जिसमें हीरो, विलेन और कॉमेडियन भी वही हैं। भाजपा नेता सचदेवा ने कहा कि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन जब देश की अस्मिता की बात हो तो सभी दलों को एकजुट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शरद पवार, शशि थरूर, अखिलेश यादव और असदुद्दीन ओवैसी तक ने सरकार के साथ खड़े होकर एकता का परिचय दिया है, लेकिन कांग्रेस, आप, शिवसेना (उद्धव) राष्ट्रविरोधी बयानबाजी कर रही हैं। आप नेता ने प्रधानमंत्री की उस टिप्पणी पर भी सवाल उठाया जिसमें उन्होंने कहा था कि उनके शरीर में गर्म सिंदूर दौड़ रहा है। संजय ने इसे शहीदों का अपमान बताते हुए कहा कि यह बेहद शर्मनाक है कि जिस समय देश शोक में डूबा है, जब सेना पीओके पर कार्रवाई करने को तैयार थी, तब मोदी सरकार ने अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के दबाव में सीजफायर घोषित कर दिया। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने व्यापार बंद करने की धमकी देकर भारत-पाक युद्ध रुकवाया, लेकिन नरेंद्र मोदी ने इस पर कोई खंडन नहीं किया।

पीएम का बयान बना सियासत का मैदान

मोदी को सिंदूर का सौदागर कहना शर्मनाक : सचदेवा

सांसद संजय सिंह के प्रधानमंत्री को सिंदूर का सौदागर कहने और ऑपरेशन सिंदूर की तुलना एक फिल्म से करने पर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि यह बयान हर भारतीय को शर्मसार करने वाला है और इससे विपक्ष की पाकिस्तान परस्ती उजागर होती है। सचदेवा ने कहा कि संजय का यह बयान ठीक उसी तरह है जैसे 2016 में अरविंद केजरीवाल ने सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगकर देश की सेना और सरकार पर सवाल उठाए थे। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब देश आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ रहा है, तब विपक्ष ऐसे बयान देकर न सिर्फ देश का मनोबल तोड़ रहा है। उन्होंने संजय सिंह, शिवसेना (उद्धव) के संजय राउत और कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि इन नेताओं की भाषा पाकिस्तान के जनरल मुनीर की टीम लिख रही है।

झूठ बोलते हैं हिमंत बिस्वा सरमा : गौरव गोगोई

» कांग्रेस नेता का पलटवार, बोले- मैं पाकिस्तानी सरकार का कट्टर आलोचक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सीएम हिमंत बिस्वा सरमा पर कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने पलटवार किया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ये सभी आरोप झूठे हैं। उन्होंने ठोस सबूत नहीं दिए हैं। मैंने अंतरराष्ट्रीय मंचों और सोशल मीडिया पर पाकिस्तान की आलोचना की है। मैं पाकिस्तानी सरकार की नीति का कट्टर आलोचक हूं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने दुनिया भर में बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने के फैसले का समर्थन किया है। साथ ही, हमारा प्रयास पाकिस्तान को वित्तीय कार्रवाई कार्य बल की ग्रे सूची में वापस लाना होना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि पाकिस्तान को उसके सैन्य आतंकवादी खुफिया तंत्र के लिए कोई अतिरिक्त धन न मिले।

साथ ही, हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि आईएमएफ ने हाल ही में पाकिस्तान को 2.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर की सहायता देने का निर्णय पारित किया है। अब मेरा डर यह है कि भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तानी सैन्य ढांचे को जो नुकसान पहुंचाया है। वे आईएमएफ के पैसे का उपयोग करके इस नुकसान की मरम्मत करेंगे और इसलिए, हमें आईएमएफ पर दबाव डालना होगा, जिसके सदस्य अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, वे देश हैं जो भारत सरकार के करीबी हैं, वे देश जहां प्रधानमंत्री ने यात्रा की है। इसके बावजूद, उन्होंने 2.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर दिए हैं। इसलिए मुझे लगता है कि आगे और बातचीत की जरूरत है। हिमंता ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस सांसद ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान का दौरा किया था और उन्होंने पड़ोसी देश के प्रतिष्ठान के साथ करीब से काम किया था।

ओ जनरल ने राजधानी में खोला पहला प्रीमियम सर्विस सेंटर

» चेयरमैन कोजी मोट्सूमोटो ने किया उद्घाटन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश में तेजी से बढ़ती डिमांड और अत्यधिक बिक्री को देखते हुए प्रतिष्ठित एयर कंडीशनर ब्रांड ओ जनरल ने यूपी की राजधानी लखनऊ में अपना पहला प्रीमियम सर्विस सेंटर खोल दिया। यह पहल ग्राहकों को बेहतर और त्वरित सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई। ऑलवेज कूल वेदर इस सर्विस सेंटर का संचालन करेगा, जो ओ जनरल का अधिकृत प्रीमियम सर्विस पार्टनर है।. कंपनी के ऑनर जावेद ऊमर ने बताया कि यह लखनऊ के लिए गर्व की बात है कि ओ जनरल जैसे अंतरराष्ट्रीय ब्रांड ने यहां अपनी सर्विस की शुरुआत की है।

इस सर्विस सेंटर का भव्य उद्घाटन ओ जनरल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर कोजी मोट्सूमोटो तथा कंपनी के कंसल्टेंट सर्विस कुमारनधीरन द्वारा किया गया। उद्घाटन के बाद कोजी मोट्सूमोटो ने पूरे सर्विस सेंटर का निरीक्षण किया। इस कदम से न केवल लखनऊ बल्कि पूरे यूपी के ग्राहकों को ओ जनरल के प्रोडक्ट्स की सेवा और रखरखाव में सहूलियत मिलेगी। बता दें कि ओ जनरल का ऑलवेज कूल वेदर सर्विस सेंटर गोमती नगर 2 खरगापुर नियर एसटीपी चौराहा लाल कोठी के पास खोला गया।

ऑपरेशन सिंदूर देश की रक्षा के लिए था: नायडू

» राहुल गांधी को दिया जवाब, राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों पर रहें एकजुट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

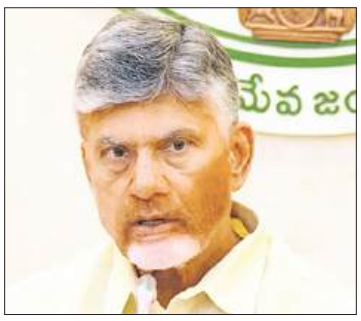

हैदराबाद। पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सेना द्वारा किए गये ऑपरेशन सिंदूर की देशभर में तारीफ हो रही है लेकिन अचानक से सीजफायर पर कुछ लोग नराज भी नजर आये। इसमें कांग्रेस के कुछ नेता भी शामिल है जो केंद्र सरकार की अलोचना कर रहे हैं और सीजफायर के पीछे के कारणों को जनता को बताने की बात कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने ऑपरेशन सिंदूर को देश की सुरक्षा के लिए एक 'अपरिहार्य' कदम बताया। उन्होंने कहा कि किसी को भी ऐसे अभियानों की आलोचना नहीं करनी चाहिए, क्योंकि यह आतंकवाद को समर्थन देने के समान है।

नायडू ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा ऑपरेशन की आलोचना और विदेश मंत्री एस जयशंकर के खिलाफ उनकी टिप्पणी का जवाब देते हुए यह प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों पर पार्टी के रुख से ऊपर उठकर एकजुट समर्थन का आह्वान किया। नायडू ने कहा कि स्वाभाविक रूप से, आपको अपने नागरिकों में विश्वास पैदा करने के लिए जवाबी कार्रवाई करनी होगी, अन्यथा इस देश का क्या होगा और इस देश की रक्षा कैसे की जाएगी। आप रक्षा पर इतना खर्च क्यों कर रहे हैं? हम अन्य देशों के खिलाफ युद्ध नहीं करने जा रहे हैं। यदि कोई आता है और समस्या पैदा करता है, तो उससे लड़ना हमारा अधिकार है और यह स्पष्ट है।

अपने बयानों में सावधानी बरतें नेता प्रतिपक्ष : हरिवंश

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को ऑपरेशन सिंदूर को लेकर केंद्र और सशस्त्र बलों पर सवाल उठाने वाले अपने बयानों में सावधानी बरतने की सलाह दी। हरिवंश ने अटल बिहारी वाजपेयी का उदाहरण दिया, जिन्होंने 1971 में पाकिस्तान के साथ युद्ध के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ विरोध नहीं किया था। राज्यसभा के उपसभापति ने कहा कि इससे अधिक चौंकाने वाला, दुखद और जानकारीहीन बयान नहीं हो सकता। यह वह समय है जब हम सभी को एक साथ खड़ा होना चाहिए। हरिवंश ने राहुल को यह भी याद दिलाया कि यूपीए सरकार ने पाकिस्तान सीमा के पास आतंकवादियों द्वारा एक सैनिक का सिर कलम करने की खबर कथित तौर पर छिपाई थी, जबकि तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा से मिलने वाले थे।

इंग्लैंड दौरा : विराट-रोहित के बिना राह नहीं आसान

» आज नये कप्तान और टीम की होगी घोषणा

» शमी की जगह अर्शदीप को मिल सकता है मौका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इस बात की स्वीकार किया है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा की अनुपस्थिति टीम के लिए चुनौतीपूर्ण होगी, लेकिन इन दोनों खिलाड़ियों के टेस्ट से संन्यास ने अन्य लोगों के लिए दरवाजे खोल दिए हैं। कोहली और रोहित ने उस वक्त यह फैसला लिया जब भारत को अगले महीने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करना है। इंग्लैंड दौरे के लिए आज मुंबई में टीम की घोषणा की जाएगी।

हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। दिग्गज गेंदबाज मोहम्मद शमी को इस दौरे से दूर रखा जा सकता है। उनकी जगह अर्शदीप सिंह और हरियाणा के अंशुल कंबोज को मौका मिल सकता है। कंबोज पहले से ही इंग्लैंड दौरे पर जा रही भारत-ए टी में शामिल हैं। शमी ने चोट से वापसी के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छोटे-छोटे स्पेल डाले हैं या अधिकतम 10 ओवर गेंदबाजी की है। ऐसे में शमी टेस्ट मैच में पूरी जान के साथ बहुत सारे ओवर करने के लिए तैयार नहीं हैं। ऐसे में उनके चुने जाने पर संशय है।

अंकतालिका में आरसीबी तीसरे स्थान पर खिसकी

लखनऊ। सनराइजर्स हैदराबाद ने आरसीबी को 42 रनों से हराकर बड़ी जीत दर्ज की। सनराइजर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ईशान किशन की दमदार पारी से 20 ओवर में छह विकेट पर 231 रन बनाए। जवाब में फिल सॉल्ट और विराट कोहली ने टीम को शानदार शुरुआत दिलाई, लेकिन आरसीबी की टीम 19.5 ओवर में 189 रन पर ऑलआउट हो गई। आरसीबी पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर चुकी है, लेकिन इस हार से उसके शीर्ष दो में जगह मजबूत करने की संभावनाओं को झटका लगा है। आरसीबी की हार से पंजाब किंग्स को तालिका में फायदा पहुंचा है और वह आरसीबी को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। गुजरात की टीम 13 मैचों में 18 अंक लेकर शीर्ष पर बनी हुई है। पंजाब और आरसीबी दोनों के 17-17 अंक हैं, लेकिन पंजाब के दो मुकाबले शेष हैं, जबकि आरसीबी को ग्रूप चरण में अब सिर्फ एक ही मैच खेलना है।

नीति आयोग की बैठक से पहले सियासी संग्राम

» डीएमके नेता कांग्रेस नेताओं से मिले, केरल के सीएम नहीं आएंगे दिल्ली

» यूबीटी शिवसेना ने भी बैठक से पहले सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नई दिल्ली में शनिवार को नीति आयोग की बैठक हो रहीं है। इसमें कई राज्यों केसीएम भाग लेंगे। उससे पहले सियासत भी शुरू हो गई है। जहां तमिलनाडु केमुख्यमंत्री एक दिन पहले ही नई दिल्ली पहुंच गए हैं वहीं केरल के सीएम इस बैठक में भाग नहीं लेंगे। इस बैठक से उद्धव ठाकरे गुट के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने नीति आयोग की बैठक से पहले बड़ा बयान दिया।

उन्होंने प्रेस कॉफ्रेंस में दावा किया कि महाराष्ट्र आज आर्थिक तंगी में है। लाडकी बहिण योजना और अन्य योजनाओं के लिए फंड नहीं है। आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को नीति आयोग की संचालन परिषद की 10 वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक का उद्देश्य 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है और बैठक में राज्यों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। बैठक का विषय '2047 में विकसित भारत के लिए विकसित राज्य' है।

महाराष्ट्र सरकार ज्यादा से ज्यादा फंड लेकर आए : राउत

संजय राउत ने कहा, नीति आयोग की बैठक होती रहती है और वहां देश के विकास के बारे में चर्चा होती है। राज्यों के बैकलॉग के बारे में चर्चा होती है। महाराष्ट्र के पास भी बैकलॉग है। राज्य आर्थिक तंगी से गुजर रहा है। इसलिए महाराष्ट्र सरकार से उम्मीद है कि सरकारी योजनाओं के लिए ज्यादा से ज्यादा फंड लेकर आएं। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर बीजेपी ने जो तिरंगा यात्रा निकाली है, संजय राउत ने उसपर तंज कसा. शिवसेना यूबीटी सांसद ने कहा, पीएम मोदी और बीजेपी के लोग यह कह रहे थे कि पहलगाम हमले के बाद या ऑपरेशन सिंदूर के बाद राजनीति न करें। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने हमको कहा था कि पहलगाम आतंकी हमले में हमारी 26 माताओं और बहनों का सिंदूर उजाड़ दिया गया है, इसपर राजनीति मत करो। उन्होंने आगे कहा, अब बताइए सबसे पहले राजनीति करने कौन जा रहा है? खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। यही पुलवामा और उरी में भी हुआ था। ये अमानुष लोग हैं, इन सब चीजों से उनकी राजनीति चलती है। राजनीति इन लोगों की रोजी-रोटी है। पूरे बिहार में पीएम मोदी की फोटो कमांडर इन चीफ यूनिफॉर्म में लगा दी गई है।

गृहमंत्री के इस्तीफे के लिए निकालें यात्रा

संजय राउत ने बीजेपी के अभियान पर कई सवाल उठाते हुए कहा, बीजेपी तिरंगा यात्रा निकाल रही है। क्या तिरंगा हमारा नहीं है? केवल बीजेपी वालों का है? क्या आप तिरंगे के मालिक हैं? क्या तिरंगा आपकी जागीर है? महाराष्ट्र में आप तिरंगा और सिंदूर यात्रा निकाल रहे हैं. ये न भूलें कि हमारे देश की 26 महिलाओं का सिंदूर आपकी वजह से उजड़ गया है। गृहमंत्री का इस्तीफा मांगने के लिए सिंदूर यात्रा निकाली जानी चाहिए।

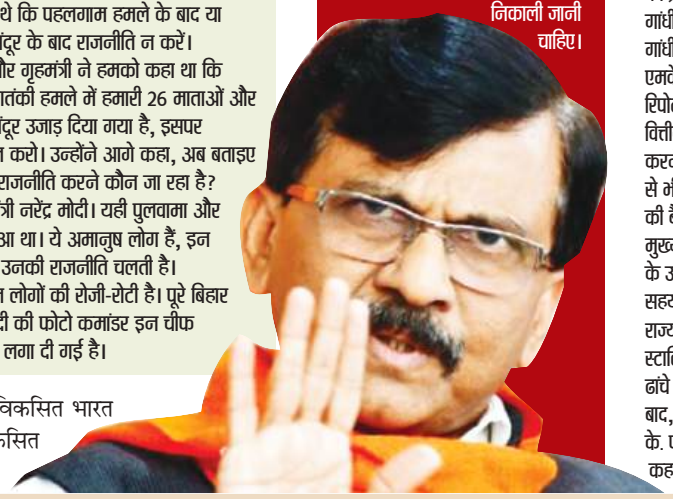

केरल के मुख्यमंत्री नीति आयोग की बैठक में शामिल नहीं होंगे

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में होने वाली नीति आयोग की संचालन परिषद की 10वीं बैठक में भाग नहीं लेंगे। सरकारी सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने इस बैठक में शामिल होने के लिए अपने स्थान पर राज्य के वित्त मंत्री के. एन. बालगोपाल को नियुक्त किया है। हालांकि सूत्रों के अनुसार, ये मुख्यमंत्रियों की बैठक है, जिससे यह स्पष्ट नहीं है कि बालगोपाल इसमें शामिल हो पाएंगे या नहीं। मुख्यमंत्री के बैठक में शामिल न होने का कोई कारण नहीं बताया गया। पिछले वर्ष भी विजयन ने दिल्ली में आयोजित नीति आयोग की मुख्यमंत्रियों की बैठक में भाग नहीं लिया था और अपनी जगह बालगोपाल को भेजा था।

स्टालिन ने सोनिया और राहुल गांधी से की मुलाकात

कांग्रेस पार्टी की अध्यक्ष सोनिया गांधी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से मुलाकात की। रिपोर्ट्स के अनुसार, तमिलनाडु की वित्तीय आवश्यकताओं पर चर्चा करने के लिए वह प्रधानमंत्री मोदी से भी मिल सकते हैं। नीति आयोग की बैठक में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल राष्ट्रीय मुद्दों और सहयोगी शासन रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए एक साथ आएंगे। एजेंडा में आर्थिक विकास, संघीय सहयोग और राज्य स्तर पर केंद्र सरकार की योजनाओं के कार्यान्वयन जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित करने की उम्मीद है। सीएम स्टालिन की भागीदारी राष्ट्रीय नीति संवादों में सक्रिय भागीदारी के लिए तमिलनाडु की प्रतिबद्धता और व्यापक राष्ट्रीय ढांचे के भीतर राज्य-विशिष्ट चिंताओं को संबोधित करने के लिए इसके सक्रिय दृष्टिकोण को रेखांकित करती है। बैठक के बाद, सीएम स्टालिन शनिवार रात को चन्नई लौटने वाले हैं। इससे पहले बुधवार को स्टालिन ने विपक्ष के नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी पर नीति आयोग की बैठक के लिए दिल्ली आने पर सवाल उठाने के लिए हमला बोला था। स्टालिन ने कहा कि वह तमिलनाडु के उचित वित्तीय दावों पर जोर देने के लिए बैठक में भाग ले रहे हैं।

पुंछ में पीड़ितों से मिले राहुल गांधी

» बोले- अब डरने की जरूरत नहीं, बच्चों का बढ़ाया हौसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पुंछ के एक स्कूल का दौरा किया और पाकिस्तान की सीमा पार से हो रही गोलाबारी से प्रभावित छात्रों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि अब, आपने ख़तरा और थोड़ी भयावह स्थिति देखी है, लेकिन चिंता न करें, सब कुछ सामान्य हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इस समस्या से निपटने का आपका तरीका यह होना चाहिए कि आप खूब पढ़ाई करें और खूब खेलें और स्कूल में ढेर सारे दोस्त बनाएं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि यह बहुत बड़ी त्रासदी थी और इसमें कई लोगों की जान चली गई। बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। मैंने लोगों से बात की और उनकी समस्याओं को समझने की कोशिश की। उन्होंने मुझसे इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने का अनुरोध किया है और मैं ऐसा करूंगा।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा सीमा पार से की गई गोलाबारी के पीड़ितों से मिलने के लिए शनिवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले का दौरा किया। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता का यह दूसरा केंद्र शासित प्रदेश दौरा है। इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे।

गांधी ने 25 अप्रैल को आतंकी हमले में घायल हुए लोगों से मिलने के लिए श्रीनगर का दौरा किया था। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और कई हितधारकों से भी मुलाकात की थी। शनिवार की सुबह गांधी जम्मू हवाई अड्डे पर पहुंचे और सीमा पार से गोलाबारी से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने और शोक संतप्त परिवारों से मिलने के लिए हेलीकॉप्टर से पुंछ के लिए रवाना हुए।

किरोड़ी लाल मीणा मेरे साथ आएं : बेनीवाल

» भाजपा मंत्री धरना स्थल पहुंचे- हनुमान बोले- साथ आएं तो 100 सीटों की जीत पक्की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा जयपुर के शहीद स्मारक पर एसआई भर्ती प्रक्रिया रद्द करने की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन स्थल पर पहुंचे। उन्होंने वहां मौजूद युवाओं से बात की और उनकी समस्याएं सुनीं। किरोड़ी लाल मीणा के धरना स्थल पर आने से कई सवाल उठ गए हैं। लोग जानना चाहते हैं कि वे धरना स्थल पर क्यों आए?

क्या वे हनुमान बेनीवाल का समर्थन करने आए हैं? क्या वे 25 मई को होने वाली हनुमान बेनीवाल की रैली को रोकने के लिए गए हैं? या फिर एक मंत्री के रूप में सरकार का प्रतिनिधित्व करने आए हैं? नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल से ये सवाल पूछे, तो उन्होंने कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। उन्होंने बताया कि युवा पिछले 22 दिनों से इस मुद्दे पर संघर्ष कर रहे हैं और यह भर्ती प्रक्रिया कई सालों से अटकी हुई है। हनुमान बेनीवाल ने कहा कि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा अचानक धरना स्थल पर आए। उन्होंने फोन पर बताया कि वे धरना स्थल पर हैं। बेनीवाल ने कहा कि उन्हें पहले सूचित किया जाना चाहिए था, ताकि वे भी वहां मौजूद हो पाते। किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि वे वापस चले जाएंगे। बेनीवाल ने कहा कि अगर किरोड़ी लाल मीणा उनके सा हमेशा के लिए आ जाएं, तो राजस्थान में 100 सीटें जीतना संभव है। उनका आना जरूरी है। बेनीवाल ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि गहलोत ने कहा कि गोविंद सिंह डोटासरा मानेसर धरने के कारण हैं, जो सही है। लेकिन गहलोत राजस्थान को अपनी जागीर समझते हैं। वे कहते हैं कि अगर वे मुख्यमंत्री नहीं बने तो कांग्रेस को खत्म कर देंगे।

मैं युवाओं के बिना नहीं रह सकता : किरोड़ी लाल मीणा

धरना पर मौजूद युवाओं ने बताया कि किरोड़ी लाल मीणा ने कहा, मैं युवाओं के बिना नहीं रह सकता। उनका दर्द है, मैं रास्ते से गुजर रहा था तो शहीद स्मारक पर आना पड़ा। हनुमान बेनीवाल ने कहा कि किरोड़ी लाल मीणा ने इस मुहिम की शुरुआत की थी। उन्होंने सड़क पर बैठकर संघर्ष किया था और उनकी वजह से भाजपा सत्ता में आई।

तीसरा मोर्चा बनाने से पीछे न हटें मीणा : हनुमान बेनीवाल

हनुमान बेनीवाल ने कहा कि तीसरे मोर्चे की बात भी किरोड़ी लाल मीणा ने ही की थी। अब उन्हें पीछे नहीं हटना चाहिए और मदद करनी चाहिए। यह राजस्थान के बदलाव का सवाल है। हनुमान बेनीवाल ने सचिन पायलट का भी नाम लिया और कहा कि पायलट ने भी बड़े वादे किए थे, लेकिन अब वे पीछे हट रहे हैं। जब पायलट को जरूरत थी, तब हम पीछे नहीं हटे। अब पायलट को साथ आना चाहिए। अगर किरोड़ी लाल मीणा, सचिन पायलट और हनुमान बेनीवाल एक साथ आएं, तो राजस्थान में सिर्फ 15 मिनट में आरएलपी की सरकार बन सकती है।

बिहार में राहुल गांधी की फोटो से छेड़छाड़ पर बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की एक एडिट की गई तस्वीर को सोशल मीडिया पर वायरल करना भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. अजय आलोक को भारी पड़ता दिख रहा है। इस मामले में बक्सर के कांग्रेस समर्थक और अधिवक्ता राम प्रतीक चौबे ने बक्सर व्यवहार न्यायालय में उनके खिलाफ विधिक परिवाद दाखिल किया है।

परिवाद में आरोप लगाया गया है कि डॉ. अजय आलोक ने राहुल गांधी के साथ खड़ी रायबरेली विधायक अदिति सिंह की तस्वीर से छेड़छाड़ कर, उसमें पाकिस्तानी जासूसी के आरोप में गिरफ्तार महिला ज्योति मल्होत्रा का चेहरा जोड़ दिया। इस फर्जी फोटो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर 22 मई 2025 को दोपहर 12:45 बजे पोस्ट किया।

फिर डरा रहा कोरोना, दिल्ली से केरल तक बढ़े कोविड-19 के मामले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कोरोना एक बार फिर लोगों को डराने लगा है। दिल्ली, हरियाणा, गुजरात, केरल और कर्नाटक समेत कई राज्यों में कोविड-19 एक बार फिर पैर पसारने लगा है। भारत में मौजूदा समय में 312 एक्टिव कोरोना केस सामने आए हैं। इसमें दिल्ली से 23, हरियाणा से 5, गुजरात से 33, महाराष्ट्र से 56 केस सामने आए हैं।

दिल्ली में कोरोना के 23 मामले गुरुवार तक सामने आए हैं। इसके मद्देनजर शुक्रवार को दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ मौजूदा स्थिति की समीक्षा की। इसके बाद दिल्ली सरकार ने सभी सरकारी व निजी अस्पतालों के चिकित्सा निदेशक व चिकित्सा अधीक्षकों को दिशा निर्देश जारी कर अलर्ट किया है। इसके तहत अस्पतालों को जांच व निगरानी बढ़ाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।